# इशारा पाते ही गोल करने के लिए दौड़ पड़े रोबोट

## एचबीटीयू के टेक्नोकल्चरल फेस्ट अध्याय-19 में छात्र छात्राओं ने बिखेरी प्रतिभा, वेस्ट से बनाया जीव पकड़ने का जाल

जागरण संवाददाता, कानपुर : हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) का टेक्नोकल्चरल फेस्ट अध्याय-19 तकनीकी प्रतियोगिताओं से सराबोर रहा। छात्रों ने वाटर रॉकेट, रोबो सॉकर, होवरक्राफ्ट, जंकयार्ड व डेजर्ट कोड समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा बिखेरी। इनमें से रोबो सॉकर व वाटर रॉकेट प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहीं। रोबो सॉकर प्रतियोगिता में इशारा पाते ही गोल करने के लिए दौड़ पड़े। अधिक से अधिक गोल करने के लिए वह आपस में खूब भिड़े। इसके अलावा छात्रों ने वाटर रॉकेट प्रतियोगिता में 35 फिट ऊंचाई तक वाटर रॉकेट उड़ाकर अपनी क्रिएटिविटी दिखाई। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने किया।

एचबीटीयू में आयोजित वार्षिकोत्सव में रोबो शाकर गेम खेलते छात्र-छात्राएं • जागरण

टेक्नोकल्चल फेस्ट में जंकयार्ड के अंतर्गत छात्र छात्राओं ने बेकार पड़े थर्माकॉल, गत्ता, रस्सी व गेंद से छात्रों ने एक ऐसा जाल तैयार किया जिसमें चूहे, छिपकली व कोट पतंगे फंसाए जा सकते हैं। उन्हें इसके लिए एक घंटे का समय दिया गया। कानपुर स्मार्ट सिटी के सौजन्य से हुई इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बेकार पड़ी चीजों को जलाने व फेंकने के बजाय उसका इस्तेमाल करना रहा। तकनीकी प्रतियोगिताओं के अलावा मजेदार खेलों के बीच भी छात्रों ने खूब मस्ती की। पर्ची पर लिखे कार्टून किरदार बनाने व पहचानने का मजेदार खेल पिक्शनरी, सेप्रेट जेम्स, डार्ट जैसे खेलों का छात्र छात्राओं ने जमकर लुत्फ उठाया। टेक्नोक्लचर फेस्ट में गीत संगीत की छिपी प्रतिभा सामने लाने के लिए ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इसमें छात्र छात्राओं ने फिल्मी, गैर फिल्मी गीत पेश करने के अलावा अपनी वादन प्रतिभा भी दिखाई। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. मनोज शुक्ला, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रामनरेश समेत अन्य शिक्षक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

## देश को माता पिता अपना बनाया जाएगा...

कानपुर : हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के टेक्नोकल्चरल फेस्ट की शाम कवि सम्मेलन के नाम रही। देश प्रेम, मुहब्बत, प्यार व इजहार से सराबोर रचनाओं का प्रोफेसर व छात्र छात्राओं ने जमकर लुत्फ उठाया। दिल को गुदगुदाने वाली रचनाओं के बीच चुटकुलों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। कवि राम भदावर ने देशप्रेम से सराबोर 'देश को माता पिता अपना बनाया जाएगा, पूरे शिदत से यह रिश्ता निभाया जाएगा, पहले धरा की धूल को माथे पर लगाया जाएगा' कविता पेश की।

कविता कहते वाहिद अली वाहिद • जागरण

पद्मिनी शर्मा ने 'मुस्कुराओ की जिंदगी लौटे, रेत की तरह नमी लौटे, हंसना बहुत मुश्किल हो गया है...' प्रस्तुत कर समां बांध दिया। राजेंद्र मोहन त्रिपाठी ने 'हदें तो झूठ की होतीं...' पेश की। डॉ. सुरेश अवस्थी ने 'सपने वो नहीं होते, जो सोने पर आते हैं, सपने वो होते हैं जो सोने नहीं देते...' पेश करके तालियां बटोरी। वाहिद अली वाहिद ने 'जग मुस्कुराकर सनम बोलते हैं, अगर बोलते हैं तो कम बोलते हैं...' पेश कर युवा दिलों को धड़कने पर मजबूर कर दिया। अरुण जेमिनी व विकास कौशल ने भी चुटीले अंदाज में अपनी रचनाएं पेश कीं। इस दौरान एचबीटीयू के छात्र अनुज गुप्ता अपनी मां के ऊपर लिखी कविता 'तेरी यादें तो एक जलते हुए दीपक के जैसी हैं, मुझे तो यह कभी अंधेरे में रोने भी नहीं देतीं पेश की'। इसके अलावा छात्र अमन कटारा ने 'हाल हमारा फेसबुक वाट्सएप पर न पूछा करो, अगर सच में जानना चाहती हो तो हमारी गलियों में हमारी राहों में आओ जरा' पेश करके युवाओं को खूब गुदगुदाया। प्रोफेसर व छात्र छात्राओं ने इस कवि सम्मेलन का जमकर लुत्फ उठाया।